No. of Printed Pages : 8

BPY-003

BACHELOR'S DEGREE PROGRAMME
(BDP)
(B. A. PHILOSOPHY)
Term-End Examination
December, 2021

BPY-003 : ANCIENT AND MEDIEVAL WESTERN PHILOSOPHY

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 100*

Note : (*i*) *Answer all the **five** questions.*

(*ii*) *All questions carry equal marks.*

(*iii*) *Answers to Question Nos. **1** and **2** should be in about **400** words each.*

---

1. Write a note on Aristotelian understanding of the world. Explain his theory of causation in detail. 20

Or

Write an essay on the theory of knowledge in Augustine's Philosophy.

2. What is the importance of learning philosophy ? Explain its scope and significance in detail. 20

Or

Define Epicureanism. Elaborate on the salient features of Epicurus' Philosophy.

3. Answer any ***two*** of the following questions in about **200** words each : 10 each

(a) Explain the Platonic theory of idea.

(b) Write a short essay on the philosophy of Avicenna and Al-Ghazali.

(c) Elaborate the theory of knowledge as discussed by Aquinas.

(d) Discuss the significance of Sophist method of inquiry and thought in general.

4. Answer any ***four*** of the following questions in about **150** words each : 5 each

(a) Briefly discuss Stoic ethics.

(b) Describe Pythagorean concept of soul.

(c) Explain Dun Scotus' stand on the univocity of Being.

(d) What are the main characteristics of Jewish Philosophy ?

(e) Who were the Pseudo-Dionysius ?

(f) What do you understand by Existentialism ?

5. Write short notes on any ***five*** of the following in about **100** words each : 4 each

(a) Agnosticism

(b) Empiricism

(c) Constant Flux

(d) Form and Matter

(e) Knowledge and Wisdom

(f) Concept of Being

(g) Faith and Reason

(h) Problem of evil

BPY-003

स्नातक उपाधि कार्यक्रम (बी.डी.पी.)

(बी. ए. दर्शनशास्त्र)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर. 2021

बी.पी.वाई.-003 : प्राचीन एवं मध्यकालीन पाश्चात्य दर्शन

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : (*i*) सभी ***पाँच*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(*ii*) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

(*iii*) प्रश्न संख्या **1** और **2** में प्रत्येक का उत्तर लगभग **400** शब्दों में दीजिए।

---

1. विश्व सम्बन्धी अरस्त की समझ पर टिप्पणी लिखिए। उनके कारणता सिद्धान्त की व्याख्या विस्तार से कीजिए। 20

अथवा

आगस्टीन के दर्शन में प्रस्तत ज्ञान के सिद्धान्त पर एक निबन्ध लिखिए।

2. दर्शनशास्त्र की शिक्षा का क्या महत्व है ? इसके विषय-क्षेत्र तथा महत्व की विस्तार से व्याख्या कीजिए। 20

अथवा

ऐपिक्यरियनवाद को परिभाषित कीजिए। ऐपिक्यरियन के दर्शन की मख्य विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।

3. किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **200** शब्दों में दीजिए : प्रत्येक 10

(क) प्लेटो के प्रत्यय सिद्धान्त (theory of idea) की व्याख्या कीजिए।

(ख) एविसेना तथा अल-गजाली के दर्शन पर लघ निबन्ध लिखिए।

(ग) एक्वीनास द्वारा विवेचित ज्ञान के सिद्धान्त को स्पष्ट कीजिए।

(घ) सोफिस्ट परीक्षण पद्धति एवं सामान्य चिन्तन के महत्व पर चर्चा कीजिए।

4. किन्हीं ***चार*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **150** शब्दों में दीजिए : प्रत्येक 5

(क) स्टोइक नीतिशास्त्र पर संक्षेप में चर्चा कीजिए।

(ख) पाइथागोरस के आत्म-विचार का वर्णन कीजिए।

(ग) सत की ऐकार्थकता पर डॉन स्काटस के विचार की व्याख्या कीजिए। 5

(घ) यहदी दर्शन की मख्य विशेषताएँ क्या हैं ?

(ङ) छदम डायनोसियस कौन थे ?

(च) अस्तित्ववाद से आप क्या समझते हैं ?

5. किन्हीं ***पाँच*** पर लगभग **100** शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : प्रत्येक 4

(क) अज्ञेयवाद

(ख) अनभववाद

(ग) नियत प्रवाह

(घ) आकार और रूप

(ङ) ज्ञान एवं प्रज्ञा

(च) सत का प्रत्यय

(छ) आस्था एवं तर्कबद्धि

(ज) अशभ की समस्या